रेयर सर्जरी से पूरी तरह फिट हुई युवती

जॉ मूवमेंट के साथ उसकी एक पलक भी हिलने लगती थी

■ प्रमुख संवाददाता, नई दिल्ली

रीता (बदला हुआ नाम) जब अपना जबड़ा हिलाती थी, तो एक आंख की पलक भी हिलने लगती थी। यही नहीं, उसकी एक आंख की पलक झुकी रहती थी और जैसे ही बोलने के लिए मुंह खोलती थी तो पलक भी ऊपर-नीचे होने लगती थी। रीता एक ऐसी रेयर बीमारी से जूझ रही थी, जिसमें उसके आंख की नर्व और जबड़े की नर्व एक दूसरे को क्रॉस कर रहे थे। डॉक्टर का कहना है कि युवती में यह बीमारी से काफी गंभीर थी। आमतौर पर जॉ का मूवमेंट एक से दो एमएम होता है, लेकिन उसकी जॉ पांच से छह एमएम तक मूव कर रही थी, इसलिए वह आंख की नहीं बल्कि जॉ मूवमेंट के इलाज के लिए ही अस्पताल पहुंची थी।

आकाश हॉस्पिटल की आई स्पेशलिस्ट डॉक्टर विद्या नायर चौधरी ने बताया कि युवती जन्म के साथ ही इस बीमारी से पीड़ित थी। इसे मेडिकली मार्क्स गुन जॉ विंकिंग सिंड्रोम कहा जाता है। इस वजह से युवती देखने में काफी खराब लग रह थी। उसका करियर और शादी भी इसकी वजह से प्रभावित हो रहे थे। वह इस वजह से मानसिक रूप से भी परेशान रहने लगी थी। उसकी आंख तो कम झुकी थी, लेकिन जॉ मूवमेंट बहुत ज्यादा था। इसलिए वह जॉ मूवमेंट के इलाज के लिए अस्पताल पहुंची। जांच में हमने पाया कि आंख और जॉ की नर्व एक दूसरे को क्रॉस कर रही है, लेकिन इसे ठीक करना आसान नहीं था।

मिली राहत...

- जैसे ही बोलने के लिए मुंह खोलती थी तो पलक भी ऊपर-नीचे होने लगती थी
- जन्म के साथ ही वह इस बीमारी से पीड़ित थी

डॉक्टर विद्या ने कहा कि मूवमेंट को कंट्रोल करने के लिए हम नर्व के साथ छेड़छाड़ नहीं कर सकते थे, क्योंकि इससे आंख तिरछी होने का खतरा होता है। और मसल्स काट कर निकालने पर पलक पूरी तरह से झुकने का डर था। इसलिए नर्व की जगह मसल्स काटकर अलग किया गया और एक-एक पार्ट बाहर कर दिया गया, ताकि जॉ मूवमेंट बिल्कुल न हो। लेकिन मसल्स निकलने से पलक झुक गई। फिर इसके इलाज के लिए हमने सिलिकन इंप्लांट डाला और आईलेड को फोरहेड से कनेक्ट कर दिया और इसे दूसरी आंख के अनुसार ऐडजस्ट कर दिया। जिसके बाद उसकी आंखों का झुकना भी बंद हो गया।